प्रश्न – भारत में सामाजिक समस्याओं से जुड़े अतिसंवेदनशील वर्गों में बच्चों को भी शामिल किया गया है। बच्चों से जुड़ी सामाजिक समस्याओं के लिए वैश्वीकरण कहाँ तक उत्तरदायी है? आलोचनात्मक परीक्षण करें। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

प्रथम पैरा

- समाज में नैतिक मानदण्डों के विरुद्ध वह सभी क्रियाएँ जो समाज के नैतिक ताने-बाने को प्रभावित करती है, अस्थिर करती है, सामाजिक समस्याएँ कहलाती है।
- इसमें असंगठित श्रमिक, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाएँ, वृद्ध, ट्रॉन्सजेन्डर के साथ बच्चों को भी शामिल किया गया है।

बच्चों से जुड़ी सामाजिक समस्याएं

- अमानवीय बाल मजदूरी
- नशें की लत तथा विभिन्न साधनों का प्रयोग
- बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति
- बाल शोषण में वृद्धि तथा अप्राकृतिक कार्य
- अपहरण तथा भिक्षावृत्ति में प्रयोग
- बच्चों के नैतिक स्तर में गिरावट

वैश्वीकरण का प्रभाव

- टेलीविजन के प्रसार के कारण नैतिक गिरावट
- वीडियो गेम के प्रसार द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता की कमी
- बच्चों में आभासी दुनिया का निर्माण
- एफ.डी.आई. में वृद्धि के कारण कम मूल्य पर अधिक श्रम की मांग में बच्चों का प्रयोग। बाजार द्वारा मांग एवं पूर्ति पर बल, न कि मांग और आवश्यकता पर आर्थिक विषमता के कारण बाल श्रम में वृद्धि
- आर्थिक वृद्धि, परन्तु गुणात्मक वृद्धि का अभाव
- वैश्विक टी.वी. कार्यक्रमों तक बच्चों की पहुँच तथा असामाजिक आचरण में वृद्धि
- तात्कालिक ब्लूहेवल जैसे खतरनाक गेम का प्रचलन इत्यादि

सकारात्मक प्रभाव

- नकारात्मक प्रभावों के साथ टेली एजुकेशन द्वारा बच्चों का विकास
- स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी के साथ होम वर्क से जुड़ी समस्याओं का समाधान
- बच्चों तथा अभिभावक को बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरुकता बढ़ी है।
- महत्वपूर्ण टी.वी. प्रोग्रामों के द्वारा बच्चों के नैतिक तथा आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा इत्यादि
- वैश्वीकरण ने सर्वशिक्षा सुलभ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।
- कैलाश सत्यार्थी जैसे व्यक्तित्व और मलाला युसुफजाई को पहचान मिली है।

अंत में संक्षिप्त सकारात्मक निष्कर्ष ।